2832

200Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. Rs 200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

हम कि हीरामसिंह व पतराम सिंह पिसरान स्वर्गीय छज्जू सिंह व श्रीमती भगवान देई वलिया कुदरती व सरपरस्त छत्रपाल सिंह नावालिग वउम्र १३ साल अजवतन पिसर खुद वेवा व पुत्र छज्जू सिंह मजकूर साकिनान मौजा मनोहर पुर पोस्ट पाक्वडा परगना व जिला मुरादावाद के हैं। जो कि आराजी काश्त भूमिधरी नम्बरी सात सौ नौवासी ७८९ रकबई अडतालीस ४८ डिसमिल लगानी सालाना चार रुपये अस्सी ४-८० पैसे खाता नम्बर इकसठ ६१ अज किस्म दोमट दोयम वाके मौजा मनोहर पुर परगना व जिला मुरादावाद जिस पर हम मुकिरान वहैसियत भूमिधरी के मालिकाना मालिक काविज व दखील हैं और जिसकी - निस्वत जुमला अख्त्यारात इन्तकालात मालिकाना तन्हा हम मुकिरान को हासिल हैं और आराजी मजकूर इस वक्त तक हर किस्म के करजे वगैरा से कतई वरी व पाक साफ है। लिहाजा वखुशी व रजामन्दी अपनी विला वहकाये व सिखाये व दवाव नाजायज किसी के उस आराजी काश्त भूमिधरी

223

ह०------------------ ह०------------------ ह०------------------

नि० अं० हीराम सिंह नि० अं० पतरामसिंह नि० अं० भगवानदेई

200Rs.

INDIA NON JUDICIAL

२००रु. Rs 200

भारत

दो सौ रुपया TWO HUNDRED RUPEES

(२)

मजकूरा वाला को मय तमामी हक हकूक मुताल्लिका उसके जिसकी बाजारु मालियत पांच हजार ५००० रुपये है बिलइवज मुबलिग तीन हजार ३००० रुपये जिसके निस्फ एक हजार पांच सौ १५०० रुपये होते हैं बदस्त श्री प्रेम चन्द जैन पुत्र श्री चतर सैन जैन साकिन सिविल लाइन्स मुरादाबाद के बय कतई सही की और बेच दी और कुल जरे समन उसका वक्त रजिस्टरी रोबरु सब् रजिस्ट्रार साहब मुरादाबाद मुश्तरी मजकूर से नकद वसूल पाकर तमामी शयमुबइया को अपने कब्जे व दखल मालिकाना से निकाल कर उस पर कब्जा व दखल मालिकाना मिस्ल अपने मुश्तरी मजकूर का करा दिया अब मुश्तरी मजकूर सरकारी कागजात में अपना नाम दर्ज करा ले हम को कुछ उज्र न होगा अब हमारा और हमारे किसी वारिस का कोई हक व ताल्लुक मालिकाना व दावा किसी किस्म का शयमुबइया से नहिं रहा और न आयन्दा होगा चुनाचे तकाविजुलवदलैन उसका बाहम फरीकैन अमल में आ गया जमानेदरक व इस्तहकाक उसका जिम्मे हम

ह० ---------------- ह० ---------------------- ह० ------------------------

नि० अं० होरामसिंह नि० अं० पतराम सिंह नि० अं० श्रीमती भगवान देई

75 Rs.

पचत्तर रुपया

भारत

INDIA

७५रु. SEVENTY FIVE RUPEES 75Rs.

मुकिरान है अगर वाके आवे अगर वाद को किसी वक्त में किसी फेल हमारे या किसी शरीक या सहिम या कर्जख्वाह या किसी दीगर शख्स की दावेदारी से श्यमुबइया जुज या कुल कब्जे मुश्तरि या कायम मुकामान उसके से निकल जावे तो उसी कदर वापसी जरे समन के जिम्मेदार व देनदार मुश्तरी को मय खरचा जात व दीगर जायदाद हर किस्म अपनी से हम मुकिरान होगें । लिहाजायह वयनामा क्तई लिख दिया कि सनद हो । इति----

ह०-------------------- ह०----------------------------
नि० अं० होराम सिंह नि० अं० पतराम सिंह

ह०-------------------- सा०----------------------------
नि० अं० श्रीमती भगवान देई नि० अं० राम औतार पुत्र श्री वदलू
साकिन मौजा मनोहर पुर मजकूर ।

सा०-रामप्रसाद पुत्र श्री रामचन्द्र
लाइनपार मुरादाबाद

नोट- हमने किस्म जमीन की वावत तहसीलदार मुरादावाद के प्रमाण पत्र दिनांक १-१०-७७ ई० से तसदीक कर ली है । ह०--------------------
नि० अं० होराम सिंह

वयनामा हाजा वमुकाम मुरादावाद वतारीख ३ अक्टूबर सन ७७ ई० वइकरार मुकिरान वक्तावत राम किशन शर्मा विजय शंकर मिश्र ने टाइप किया ।

[illegible]
[illegible]

[illegible]

3-10-77

15.

मधुबनि 3-10-77

72
31/1/78

20/4/78

सम्मिलित पत्रावली हो

13/12

बही नं. 1 जिल्द 1643 के पृष्ठ 363/370
नम्बर 2232 पर आज दि. 29.7.77
रजिस्ट्री की गई।

उप रजिस्ट्रार